

खर्खोद पुं. (तत्.) एक प्रकार का इंद्रजाल।

खर्च पुं. (अर.) किसी काम में किसी वस्तु का लगना, व्यय, खपत, आवश्यक कार्यों में लगने वाला पैसा मुहा. खर्च उठाना-व्यय का भार सहना जैसे- खर्च उठाना- इस महीने उन्हें बहुत खर्च उठाना पड़ा खर्च चलना- व्यय का निर्वाह करना; खर्च में डालना- व्यय के लिए विवश करना, रकम को खर्च के मद में लिखना; खर्च निकलना- लागत प्राप्त होना; खर्च में पड़ना- व्यय के लिए विवश होना, रकम का खर्च के मद में लिखना।

खर्चना स.क्रि. (देश.) दे. खरचना।

खर्चा पुं. (फा.) दे. खर्च।

खर्ची स्त्री. (देश.) कुकर्म कराने के लिए मिला धन।

खर्चीला वि. (देश.) बहुत खर्च करने वाला।

खर्चु स्त्री. (तद्.) 1. खुजली, कीड़ा, धतूरा 2. जंगली खजूर।

खर्जिका स्त्री. (तत्.) उपदेश, रोग, गरमी की बीमारी।

खर्जुर पुं. (तत्.) 1. चाँदी, खजूर।

खर्जूर पुं. (तत्.) 1. खजूर 2. चाँदी 3. हरताल 4. बिच्छू 5. धतूरा।

खर्जूरक पुं. (तत्.) खजूर का रस, ताड़ी, एक मादक पेय।

खर्जूरी पुं. (तत्.) खजूर बाँ. खर्जूरीरस- खजूर का रस, खर्जूरीरसज-खजूर के रस का बना गुड़।

खर्परी स्त्री. (तत्.) खपरिया नाम की एक उप धातु।

खर्ब पुं. (तद्.) 1. छोटा, लघु, क्षुद्र 2. बौना, ठिंगना 3. विकलांग 4. सौ अरब।

खर्बुज पुं. (देश.) दे. खरबूजा।

खर्बा पुं. (देश.) 1. लंबा कागज जिसमें सारा हिसाब या विवरण हो 2. चर्मरोग।

खर्चा वि. (फा.) खर्चीला जैसे- बेशक उसी ने तो चोरी छिपे रुपए देकर मानिक को ऐसा खर्चा होने दिया था।

खर्चाटा पुं. (अनु.) सोते समय नाक से निकलने वाली खर्-खर् की आवाज मुहा. खर्चाटा भरना, मारना या लेना- बेखबर सोना जैसे- गाड़ी में लोग सो रहे थे और खर्चाटे भर रहे थे।

खर्चाती स्त्री. (अर.) खरादी का काम या पेशा।

खर्चाद पुं. (फा.) खरादी, खराती।

खर्व वि. (तत्.) 1. जिसका अंग भंग हो, न्यूनांग 2. छोटा, लघु, वामन, बौना उदा. यहाँ खर्व नर रहते युग-युग से अभिशापित पुं. (तत्.) संख्या का बारहवाँ स्थान, सौ अरब, बारहवें स्थान की संख्या, वैदिक काल में संख्या का 35 वाँ स्थान खर्व कहलाता था।

खर्वट पुं. (तद्.) 1. पहाड़ की तराई में बसा हुआ गाँव 2. दौ सौ गाँवों के मध्य का प्रमुख ग्राम 3. नदी के किनारे बसा हुआ कस्बा, हाट, बाजार।

खर्वित वि. (तत्.) छोटा किया हुआ, नष्ट, क्षीण अथवा कम किया हुआ।

खर्विता स्त्री. (तत्.) वह अमावस्या जिसमें चतुर्दशी मिली हुई हो, वह तिथि जिसका कालमान पहले दिन की तिथि के कालमान से कुछ कम हो।

खल वि. (तत्.) 1. क्रूर, कठोर 2. नीच, अधम, दुर्जन, दुष्ट 3. चुगलखोर 4. निर्लज्ज, बेहया 5. धोखे बाज, फरेबा पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. तमाल का पेड़ 3. धतूरा 4. खलिहान 5. कोठिला 6. धूलिपुंज 7. युद्ध लड़ाई 8. तेल छट 9. पृथ्वी 9. स्थान 10. खरल मुहा. खल करना- खल में महीन पीसना; खल होना-पिसना, चूर-चूर होना; 11. पत्थर का बड़ा टुकड़ा 12. सोनारों का किटकिटा नाम का ठप्पा।

खलई स्त्री. (देश.) खलता, दुष्टता, दुष्ट होने का भाव या क्रिया।

खलक पुं. (तद्.) घड़ा, कुंभ पुं. (अर.) 1. सृष्टि का प्राणी या जीवधारी 2. दुनिया, संसार, जगत स्त्री. (देश.) खलकने का भाव या क्रिया।